

# भारतीय ज्योतिष विज्ञान परिषद् (पंजी०) चेन्नई

ज्योतिष प्रवीण परीक्षा : दिसम्बर-2008

## प्रश्न पत्र-III

समय : 3 घन्टे

कुल अंक : 50

कोई भी पाँच प्रश्न हल करें। प्रश्न 1 तथा 6 अनिवार्य हैं। दोनों भागों में से कम से कम एक-एक प्रश्न का चयन करते हुए तीन अन्य प्रश्नों के उत्तर दें। सब प्रश्नों के अंक समान हैं।

### भाग-I (ज्योतिषीय योग)

1. लग्न : धनु 10:25, सूर्य : मेष 10:16, चन्द्र : मीन 15:03, मंगल : कुंभ 23:14, बुध:मीन 17:46, गुरु(व) : धनु 10:17, शुक्र : मीन 24:18, शनि : धनु 25:06, राहु : कन्या 00:55, जन्म 23.4.1960, 23:25, दिल्ली  
क) उपरोक्त कुण्डली में उपस्थित कोई पांच योग लिखें। वे किस प्रकार बन रहे हैं?  
ख) उपरोक्त में बृहस्पति व शुक्र किन योगों से सम्बन्धित हैं? उनके सामान्य फल क्या हैं?
2. क) त्रिकोण भावों से क्या अभिप्राय है?  
ख) किस स्थिति में ग्रह योग कारक बनता है? तुला लग्न के लिए समझाएं।
3. वर्ग कुण्डली क्या है? षड्वर्गों के नाम व उनके उपयोग बताएँ।
4. किन्हीं दो के उत्तर दें :-  
क) कृतिका नक्षत्र के गुण धर्म  
ख) कर्क लग्न वाले जातक के गुण  
घ) गुरु के कुंभ में स्थित होने के सामान्य फल
5. विपरीत राजयोग क्या हैं? विस्तार से बताएं।

### भाग-II (दशा गोचर)

6. 3 दिसम्बर 2008 को जन्मे जातक का चन्द्रमा 53:56 अंश पर हो तो निम्न की गणना करें।  
क) जन्म के समय शेष विंशोत्तरी दशा  
ख) विंशोत्तरी महादशाओं की तिथि सहित क्रम दिखाएं।  
अथवा  
क) विंशोत्तरी महादशाओं का क्रम, दशाधिपति व उनकी अवधि बताएं।  
ख) बृहस्पति महादशा के सामान्य फल बताएं।
7. प्रश्न 1 की कुण्डली के लिए निम्न पर चर्चा करें :-  
क) सूर्य महादशा के सामान्य फल  
ख) सूर्य महादशा में मंगल अन्तर दशा के फल
8. किसी कुण्डली के फलादेश में बृहस्पति के गोचर को क्यों महत्त्व दिया जाता है? इसके चक्र संख्या (पर्याय) पर आधारित फलों का उल्लेख करें।
9. चन्द्रमा से किन स्थानों में शनि का गोचर शुभ माना जाता है? उन स्थितियों के लिए वेध भी बताएं।
10. विंशोत्तरी महादशा पद्धति के मुख्य नियमों की विवेचना कीजिए।